सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 233 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 30 सितम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

अधिक से अधिक भोले, कम ज्ञानी और बच्चों की तरह बनिए। जीवन को मजे के रूप में लीजिये क्योंकि वास्तविकता में यही जीवन है

-ओशो

टेनिस में बोपन्ना और भोसले ने... 7 | पंजाब-दिल्ली में अपने को आगे ही... 3 | मप्र में कांग्रेस से सपा करेगी... 2

मध्य प्रदेश पूरे देश में भ्रष्टाचार का केंद्र : राहुल

कांग्रेस नेता ने शिवराज व मोदी सरकार को घेरा

बढ़ रहा जनता में बीजेपी के खिलाफ आक्रोश

» बोले- बच्चों के फंड्स, मिड-डे मील के फंड्स, स्कूल यूनीफॉर्म के फंड्स के साथ भगवान को भी लूटा

» एक तरफ कांग्रेस की मोहब्बत और दूसरी तरफ भाजपा व आरएसएस की नफरत का विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाजापुर/भोपाल। मध्य प्रदेश के दौरे पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पीएम मोदी व सीएम शिवराज सिंह पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने जोरदार हमला बोलते हुए कहा प्रदेश देश में भ्रष्टाचार का एपिसेंटर है। राहुल गांधी ने पोलायकला में कहा कि हमारी विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस है और दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस। एक तरफ गांधी जी और दूसरी तरफ गोड़से।

एक तरफ नफरत और एक तरफ मोहब्बत है। यह लोग जहां जाते हैं, वहां नफरत फैलाते हैं। मध्य प्रदेश में किसान, युवा इनसे नफरत करने लगा है। इन लोगों ने जो जनता के साथ किया, वह अब जनता उनके साथ कर रही है। इस वजह से हमने यह सात जन आक्रोश यात्राएं मध्य प्रदेश में निकाली हैं। मध्य प्रदेश में लगभग 370 किमी हमारी यात्रा चली थी। किसानों, युवाओं, माता-बहनों से मिले। मुझे सिर्फ दो-तीन बातें कही। मध्य प्रदेश हिंदुस्तान में भ्रष्टाचार का एपिसेंटर है। जितना भ्रष्टाचार बीजेपी के लोगों ने मध्य प्रदेश में किया है, पूरे देश में नहीं किया है। बच्चों के फंड्स, मिड-डे मील के फंड्स, स्कूल यूनीफॉर्म के फंड्स चोरी किए। महाकाल कॉरिडोर में बीजेपी ने पैसा चोरी किया।

पहली बार किसान टैक्स दे रहा है

राहुल ने कहा कि आप किसान हैं। आप लोग यहां सोयाबीन उगाते हैं। किसानों ने हमें बताया कि सरकार यहां उचित दाम नहीं देती है। छत्तीसगढ़ में किसानों से पूछिए तो पता चलेगा कि धान के लिए हम किसानों को कितना पैसा देते हैं। हमने हर वायदा पूरा किया। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ समेत हर राज्य में किसानों की कर्ज माफी की थी। कमलनाथ जी किसानों का कर्ज माफ कर रहे थे। यहां बीजेपी वालों ने आपको धोखा देकर सरकार चुरा ली। पिछले 18 साल में यहां 18 हजार किसानों ने आत्महत्या की है। हर रोज तीन किसान यहां मरते हैं। यहां इनकी सरकार है। यह लोग चुने हुए लोगों के लिए काम करते हैं।

शिवराज की झूठ की मशीन डबल स्पीड पर चल रही है : कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि चुनावी बेला में शिवराज सिंह चौहान की झूठ की और घोषणा की मशीन डबल स्पीड पर चल रही है। यह आपके सामने तस्वीर है। यह लोग यात्रा निकाल रहे हैं। इन्होंने पंचायत से मंत्रालय तक 50 प्रतिशत कमीशन की मशीन चलाई है। उन्हें तो रेट कार्ड की यात्रा निकालना चाहिए। भाजपा का समय आ गया है। मध्य प्रदेश के मतदाताओं ने तय कर लिया है कि शिवराज सिहं को प्यार से रवाना करेंगे। भाजपा के पास सिर्फ पुलिस, पैसा और प्रशासन है। याद रखियेगा कि कल के बाद परसो भी आता है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह चुनाव दो महीने में हमारे सामने है। यह उम्मीदवार या पार्टी का चुनाव नहीं है। यह मध्य प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। आप सब लोग सच्चाई का साथ देंगे।

अंधेर नगरी चौपट राजा : ओझा

कांग्रेस नेता शोभा ओझा ने पोलायकलां में जनसभा की शुरुआत करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में अंधेर नगरी चौपट राजा है। नवंबर में चुनाव होंगे। कमर कस लीजिए। भाजपा हर तरह का हथकंडा अपनाएगी और भ्रमित करेगी। लोगों को गुमराह करने के लिए प्रयास कर सकते हैं। सात सांसदों को चुनावों में उतारा है। इससे कोई फायदा नहीं होने वाला। उन्हें डर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से कहना चाहती हूं कि आप भी चुनाव लड़ लीजिए। कांग्रेस के विधायक और उम्मीदवार आपको भी धूल चटा देंगे। इंदौर में संजय शुक्ला के सामने कैलाश विजयवर्गीय को उतारा है। मैं दावे के साथ कहती हूं कि संजय शुक्ला निश्चित तौर पर कैलाश विजयवर्गीय को पटखनी देंगे।

एनआईए की कई जगहों पर छापेमारी

आईएसआईएस के तीन आतंकियों की तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आईएसआईएस के तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका के बाद एनआईए ने छपेमारी की है। तीनों इनामी आतंकियों की तलाश की जा रही है। तीनों आतंकियों के नाम मोहम्मद शाहनवाज आलम उर्फ शैफी उज्जमा उर्फ अब्दुल्ला, रिजवान अब्दुल हाजी अली और अब्दुल्लाह फयाज शैख हैं। इन पर एनआईने ने 3 लाख का इनाम रखा है।

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को इनपुट मिले थे कि तीनों आतंकी दिल्ली में छिपे हुए हैं, जिसके बाद जांच एजेंसी ने राजधानी के कई ठिकानों पर आज छापेमारी की है। आईएसआई के तीनों आतंकी पुणे आईएसआईएस केस में वांटेड हैं, फरार आतंकियों का दिल्ली

आतंकियों का है खालिस्तानी कनेक्शन

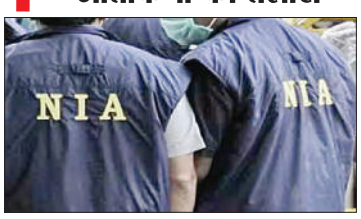

एनआईए की टीम ने यह कार्रवाई आतंकियों के खालिस्तानी कनेक्शन को लेकर की है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पिछले दिनों यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड के कई इलाकों में भी रेड मारी थी। इन जगहों के करीब 53 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इस कार्रवाई में पुणे पुलिस भी एनआईए का साथ दे रही है।

स्कॉटलैंड में भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारे जाने से रोका

» खालिस्तान समर्थकों की करतूत, भारत ने मुद्दा ब्रिटेन के आगे उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्लासगो। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में खालिस्तानी समर्थकों की करतूत सामने आई है। यहां भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को गुरुद्वारे जाने से रोका गया। खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय उच्चायुक्त को रोक दिया और उन्हें कार से उतरने नहीं दिया। मुद्दा ब्रिटेन के आगे उठाया गया है। विक्रम दोराईस्वामी ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त हैं, ब्रिटेन में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

इस घटना का एक वीडियो सिख यूथ यूके ने पोस्ट किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि उच्चायुक्त के लंगर परोसने की व्यवस्था की गई थी, वीडियो में एक खालिस्तान समर्थक गुरुद्वारा समिति के सदस्य के साथ बहस करता दिख रहा है, इसके बाद, वीडियो में दो लोग उच्चायुक्त की कार के पास जाते हैं।

सिक्खों को बदनाम किया जा रहा : सिरसा

बीजेपी नेता सिरसा ने कहा,किसी भी धर्म या समुदाय का व्यक्ति गुरुद्वारे में आ सकता है, हमारा धर्म हिंसा करना नहीं सिखाता है, बल्कि हम लोग वो हैं, जो मानवता की रक्षा करते हैं। भारतीय उच्चायुक्त के साथ स्कॉटलैंड में जो हुआ है, मैं इसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं, गुरुद्वारा परमात्मा का घर है, यहां किसी भी प्रकार का भेदवान नहीं किया जाता है. यही वजह है कि यहां पर चार दरवाजे होते हैं। ऐसा लगता है कि ये लोग इस चीज को नहीं समझते हैं या फिर सिखों को बदनाम करने की कोशिश हो रही है।

मप्र में कांग्रेस से सपा करेगी गठबंधन : जावेद अली

» राज्य में अपना जनाधार बढ़ाने में जुटी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्षी गठबंधन इंडिया की समन्वय समिति में सपा की ओर से सदस्य व राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में साझेदारी के लिए सपा और कांग्रेस के बीच बात चल रही है। अगर बातचीत नतीजे पर पहुंचती है तो यह दोनों दलों के लिए फायदेमंद होगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 27 व 28 सितंबर को मध्य प्रदेश के दौरे पर रहे थे। उन्होंने वहां जातीय जनगणना के कांग्रेस के समर्थन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना बताया था। साथ ही यह भी कहा था कि जिसे कांग्रेस टिकट न दे, उसे स सकती है।

राजनीतिक हलकों में इसे दबाव की राजनीति माना जा रहा है, ताकि कुछ खास हिस्सों में अपनी पकड़ दिखाते हुए यह भी अहसास करा दिया जाए कि गठबंधन पर बात न बनने पर मध्य प्रदेश में सपा किस हद तक जा सकती है। इसी रणनीति के तहत सपा छह सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन की प्रबल संभावना है। दोनों पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व के बीच बात चल रही है। आधिकारिक घोषणा होने के बाद दोनों पार्टियों के प्रमुख नेता मंच भी साझा करेंगे। मध्य प्रदेश में 25-30 सीटों पर यादव मतदाता निर्णायक माने जाते हैं। हालांकि, करीब 50 सीटों पर इनकी ठीक-ठाक संख्या है। वहां मुस्लिमों का रुझान कांग्रेस के प्रति है, पर यादव मतदाताओं पर भाजपा की अच्छी पकड़ मानी जाती है। मध्य प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरने की रणनीति बनाई है। इसके तहत वोट प्लस करने वाले अन्य दलों को साथ लाने की उसकी योजना है।

2018 में सपा ने किया था बेहतर प्रदर्शन

अखिलेश यादव के साथ नजर आए भाजपा और कांग्रेस के नेता

छतरपुर। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के छतरपुर जिले के खजुराहो आगमन पर छतरपुर की राजनीति में भूचाल आ गया। दरअसल भाजपा और कांग्रेस के कुछ नेता अखिलेश यादव से मिलने पहुंचे, जहां अब कयास लगाए जा रहे हैं कि वे अपनी ही पार्टी से टिकट न मिलने पर बगावत कर सकते हैं। मुलाकात की तस्वीर भी वायरल हो रही है। बता दें कि राजनगर विधानसभा से कांग्रेस के प्रबल दावेदार शंकर प्रताप सिंह मुन्ना राजा अखिलेश यादव के खजुराहो पहुंचने पर उनसे मिलने पहुंचे। तो वहीं छतरपुर विधानसभा से कांग्रेस के प्रबल दावेदार डीलमणि सिंह बब्बू राजा ने भी खजुराहो पहुंचकर अखिलेश से मुलाकात की। जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि टिकट न मिलने की स्थिति में यह समाजवादी पार्टी का दामन थाम कर कांग्रेस से बगावत कर सकते हैं।

लाडली बहन के नाम पर चुनावी घोषणाएं करना सिर्फ दिखावा : प्रियंका

» बच्ची के साथ बर्बरता पर मध्य प्रदेश सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने शिमला से मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरा। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देकर उज्जैन में एक छोटी बच्ची से हुई बर्बरता का मामला उठाया। वीरवार को प्रियंका गांधी ने अपनी माता और कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ शिमला के छराबड़ा में दिन बिताया।

सुबह के समय दोनों ने घर के परिसर और आसपास के क्षेत्र में सैर भी की। प्रियंका गांधी ने मध्य प्रदेश की घटना को लेकर सोशल मीडिया में प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में एक छोटी बच्ची के साथ हुई बर्बरता आत्मा को झकझोर देने वाली है। अत्याचार के बाद वह ढाई घंटे तक दर-दर मदद के लिए भटकती रही और फिर बेहोश होकर सड़क पर गिर गई लेकिन, मदद नहीं मिल सकी। प्रियंका गांधी ने लिखा कि ये है मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा। लाडली बहन के नाम पर चुनावी घोषणाएं करने का क्या फायदा है। अगर बच्चियां को सुरक्षा और मदद तक नहीं मिल सकती।

कई शहरों के मुकाबले दिल्ली की हवा स्वच्छ : केजरीवाल

» पेड़ों की संख्या में बढ़ोतरी हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण स्तर में कमी आई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह बात कही है। उन्होंने बताया कि कई शहरों के मुकाबले दिल्ली हालत अच्छी है। इलेक्ट्रानिक बसों की वजह से दिल्ली में प्रदूषण में कमी आई है। प्रदूषण के खिलाफ अभियान भी चलाया गया था। दिल्ली में कोई थर्मल प्लांट भी नहीं हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पेड़ों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यहां अब जनरेटर नहीं चलते। निर्माणाधीन जगहों पर मानकों के आधार पर काम होता है।

दिल्ली में प्रदूषण वाली जगहों पर स्पेशल टीम तैनात की गई है। पटाखों पर इस साल भी बैन रहेगा। सर्दी में वायु प्रदूषण की रोक थाम को लेकर दिल्ली के लिए 15 सूत्रीय विंटर एक्शन को जारी करते हुए केजरीवाल ने कहा कि 13 हॉटस्पॉट की गई पहचान। प्रति हॉटस्पॉट के लिए स्पेशल प्लान होगा। इसके लिए 13 टीम का गठन किया गया है। पांच हजार एकड़ खेतों में पराली डिकंपोज का उपयोग किया जाएगा। धूल प्रदूषण के लिए 591 टीमों का गठन किया गया है। सड़कों पर 238 एंटी स्मोग गन तैनात की जाएगी। पीयूसी के लिए 385 टीम का गठन किया गया है। प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार का एक्शन प्लान जारी करते हुए कहा कि राजधानी के प्रदूषण में 30 प्रतिशत की कमी आई है।

'आप-कांग्रेस का गठबंधन सिर्फ संसद में'

» हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने खैरा की गिरफ्तारी को बताया राजनीतिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरियाणा/नई दिल्ली। पंजाब पुलिस ने कांग्रेस के विधायक सुखपाल खैरा को जब से गिरफ्तार किया है, तब से प्रदेश की सियासत गर्मा गई है। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने करनाल में कहा कि यह राजनीतिक गिरफ्तारी है और सुखपाल खैरा के साथ पूरी पार्टी खड़ी है। वहीं गठबंधन के बारे में वे बोले कि गठबंधन संसद में है उसके लिए समन्वय समिति बनी है। वह एक अलग मामला है और विधानसभा का अलग मामला है।

बता दें कि गुरुवार सुबह करीब पांच बजे जलालाबाद जिले की पुलिस ने खैरा को गिरफ्तार किया। खैरा पंजाब की भुलत्थ विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक हैं।

उदयभान बोले- बाहरी मामलों में कोई साझेदारी नहीं

पुलिस के मुताबिक, खैरा के खिलाफ एक पुराना एनडीपीएस एक्ट का केस था जिस पर कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। अब पुलिस की इस कार्रवाई पर आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं। खुद कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान उनसे दुश्मनी निकाल रहे हैं। सुखपाल खैरा के बेटे मेहताब खैरा ने कहा कि इस मामले में वह कोर्ट जाएंगे। गिरफ्तारी का मामला ड्रग्स यानी मादक पदार्थों से जुड़ा है, जिसे मार्च 2015 में फाजिल्का के जलालाबाद में दर्ज किया गया था। इसमें नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जिनमें एक की पहचान गुरदेव सिंह के रूप में हुई थी। बाद में सभी को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टांसेस एक्ट यानी स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया। गुरदेव सिंह को सुखपाल खैरा का करीबी बताया जाता है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो किलोग्राम हेरोइन, सोने के 24 बिस्कुट, एक देसी पिस्तौल, एक पॉइंट 315 बोर की पिस्तौल और दो पाकिस्तानी सिम कार्ड बरामद किए थे।

बिधूड़ी पर उचित कार्रवाई करें पीएम : दानिश

» पत्र लिखकर मांगी सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बसपा सांसद दानिश अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि घटना को आठ दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसलिए उन्होंने पीएम मोदी को पत्र भी लिखा है। पत्र में दानिश अली ने खुद को मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की। अली ने कहा कि संसद के विशेष सत्र के दौरान हुई यह घटना एक व्यक्ति के तौर पर सिर्फ उन पर हमला नहीं थी, बल्कि इसने लोकतंत्र की मर्यादा को ठेस पहुंचाई है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सदन के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री इस पर संज्ञान लेंगे। दानिश अली ने बिधूड़ी को भड़काने के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के आरोप पर कहा कि उन्होंने खुद पीएम मोदी के संदर्भ के साथ अनुचित शब्दों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई थी।सांसद दानिश अली ने कहा कि आप उस दिन सदन में मौजूद नहीं थे, फिर भी बिधूड़ी ने अपने संबोधन के दौरान आपका जिक्र करते हुए अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। मैंने प्रधानमंत्री के संबंध में ऐसी भाषा के उपयोग पर आपत्ति जताई। सदन की कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि सत्ता पक्ष के किसी भी सदस्य ने आपके प्रति असंसदीय भाषा के उपयोग के खिलाफ मेरे रुख पर आपत्ति नहीं जताई। लेकिन जब मैंने खड़े होकर इसका विरोध किया तो शायद बिधूड़ी को अपनी गलती का इस्तेमाल हो गया और उन्होंने ध्यान भटकाने के लिए मुझ पर ज्यादा आक्रामक ढंग से हमले शुरू कर दिए। अली ने कहा कि दुनिया हमें संसदीय लोकतंत्र के पथ प्रदर्शक के तौर पर देखती है। हमारे लोकतंत्र में ऐसी अशोभनीय घटनाओं के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अनुरोध है कि संसदीय कार्यवाही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए ऐसे व्यवहार की निंदा करते हुए सार्वजनिक बयान दें।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की सुरक्षा बढ़ाई जाए : इंदल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक विजय कुमार से मुलाकात की। पूर्व विधायक इंदल रावत के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि संगठनात्मक कार्यों से प्रदेश अध्यक्ष को विभिन्न जिलों में जाना पड़ता है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उनकी सुरक्षा को बढ़ाया जाए। अलग-अलग जिलों में होने वाली उनकी यात्राओं को देखते हुए उन्हें सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जाए। प्रतिनिधिमंडल में जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, पूर्व महामंत्री सेंट्रल बार एसोसिएशन संजीव पांडेय, पूर्व कांग्रेस प्रत्याश रुद्र दमन सिंह शामिल थे। प्रदेश प्रवक्ता मनीष श्रीवास्तव हिंदवी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन देकर अविलम्ब सुरक्षा देने की मांग की है।

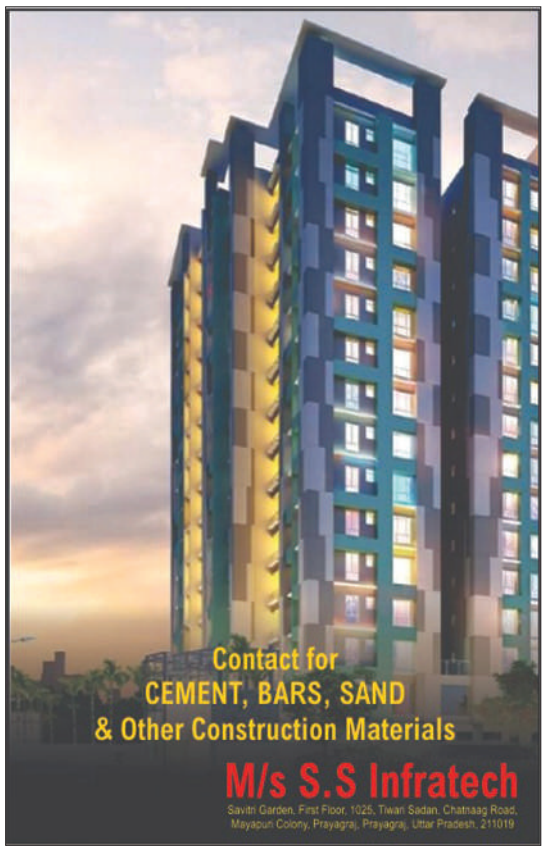

पंजाब-दिल्ली में अपने को आगे ही रखना चाहती है आप

खैरा की गिरफ्तारी से गरमाई सियासत

» कांग्रेस व आप में वार-पलटवार

» दोनों का दावा- गठबंधन पर कोई असर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2015 के ड्रग्स मामले में खैरा की गिरफ्तारी ने आप बनाम कांग्रेस की लड़ाई को और तेज कर दिया है। समय-समय पर आप की दिल्ली व पंजाब की इकाइयों व कांग्रेस के राज्य के नेताओं के बीच वाकयुद्ध चलता रहता है। जनकारों की माने तो दोनो ही पार्टियों की मजबूरी है कि उन्हे प्रदेश में मौका मिलने पर हमलावर होना पड़ा है हांलाकि शीर्ष लीडरशीप इन सब बातों को दरकिनार कर एकजुटता की बात करता रहता है। खैर वो तो चुनावी मजबूरी है पर फिर भी देखा जाए तो कम आप की गतिविधियों से तो ऐसा ही लगता है कि वह कम से कम दिल्ली व पंजाब में अपने को आगे ही रखना चाहती है।

दोनों इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं, जो इस साल पांच राज्यों में होने वाले चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद कर रहे हैं, हाल ही में दोनों के बीच पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत की उम्मीद की जा रही थी। इससे पहले आज सूत्रों ने कहा कि पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने अपने आलाकमान को बताया कि आप वरिष्ठ नेताओं को बना रही है। साथ ही उन्होंने पूर्व मंत्रियों साधु सिंह धर्मसोत, भारत भूषण आशु और पूर्व उपमुख्यमंत्री ओपी सोनी की गिरफ्तारी का हवाला दिया। इन तीनों को सुखपाल सिंह खैरा से पहले गिरफ्तार किया गया था, जो अब पुलिस हिरासत में हैं। इंडिया की योजनाओं के हिस्से के रूप में आप और कांग्रेस को तीन राज्यों पंजाब और दिल्ली (जहां आप सत्ता में है) और भाजपा शासित गुजरात में सीटों का बंटवारा करना था, जहां कुल 46 लोकसभा सीटें हैं,हालांकि क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता के बीच खैरा की गिरफ्तारी को लेकर उपजे तनाव ने किसी भी समझौते को खतरे में डाल दिया है।

विपक्षी गठबंधन के प्रति पूरी तरह से समर्पित : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी विपक्षी गठबंधन के प्रति पूरी तरह से समर्पित है। केजरीवाल का बयान ऐसे वक्त में आया है जब उनकी पार्टी और कांग्रेस नेताओं के बीच पंजाब में ड्रग्स के आरोपों को लेकर विधायक सुखपाल खैरा की गिरफ्तारी मामले को लेकर विवाद चल रहा है। अरविंद केजरीवाल ने इस महीने इंडिया में अंदरूनी कलह की बात को ज्यादा महत्व नहीं दिया था और एक बार फिर उन्होंने अशांत माहौल को शांत करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा आप इंडिया, के लिए समर्पित है,आप इंडिया गठबंधन से अलग नहीं होगी। हालांकि केजरीवाल ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी नशीली दवाओं के खिलाफ युद्ध के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने कहा,मुझे पता चला है कि पंजाब पुलिस ने कल कांग्रेस नेता को गिरफ्तार किया है, मेरे पास डिटेल नहीं है, आप पुलिस से प्राप्त कर सकते हैं, हमने नशीली दवाओं के खिलाफ युद्ध छेड़ा है, मैं किसी भी व्यक्तिगत मामले पर टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन हम इस बुरी आदत को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आप के साथ समझौते को लेक मुखर रहे खैरा

खैरा की गिरफ्तारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह राज्य में आप के साथ समझौते को लेकर विशेष रूप से मुखर रहे हैं, वह कांग्रेस के किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं और इसलिए पार्टी पदाधिकारी और विधायक दोनों हैं।इस विवाद को लेकर अपनी पहली टिप्पणी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अगर कोई हमारे साथ अन्याय करता है, तो हम उसे बर्दाश्त करने वालों में से नहीं हैं, उन्होंने कहा,मैंने इसकी डिटेल मांगी है, लेकिन मामला कुछ भी हो अगर कोई अन्याय करता है तो वह ज्यादा दिनों तक बचा नहीं रह पाता है।

विस चुनाव में आप को 92 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं

इस मामले में पंजाब के मंत्री अनमोल गगन मान ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जोर दिया है कि आप सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पिछले साल पंजाब विधानसभा चुनाव में आप ने कांग्रेस को हराया था और आश्चर्यजनक और प्रभावशाली जीत दर्ज की थी। चुनाव में आप को 92 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं।

खैरा के खिलाफ गलत जानकारी : अमरिंदर राजा वारिंग

कांग्रेस के पंजाब प्रमुख अमरिंदर राजा वारिंग का दावा है कि उन्हें खैरा से मिलने से रोका गया। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पुलिस दोनों पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को खैरा के खिलाफ झूठे मामले के बारे में जानकारी दी गई थी, उन्होंने घोषणा की, हम चुप नहीं रह सकते. हम अंत तक लड़ेंगे। वहीं आप ने राजनीतिक प्रतिशोध के दावों को खारिज करते हुए जोर देकर कहा कि सुखपाल खैरा की गिरफ्तारी ड्रग्स के खिलाफ उसकी ,जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है, आप पंजाब के एक प्रवक्ता ने कहा कि पर्याप्त स्वीकार्य सबूत मिले हैं. उन्होंने पूर्ववर्ती शिरोमणि अकाली दल सरकार को उस वक्त खैरा को गिरफ्तार नहीं करने के लिए दोषी ठहराया।

दक्षिण में द्रमुक पार्टियों की चाबुक से भाजपा परेशान

» एआइडीएमके व द्रमुक ने पकड़ी अपनी-अपनी राह

» कांग्रेस भी मजबूती से जनाधार बढ़ाने में जुटी, इंडिया को देगी मजबूती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण भारत में अपने को स्थापित करने की जोर आजमाइश कर रही भाजपा को वहां पर जमने के लिए जी-जान से जुटना पड़ेगा। हालांकि वहां की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी अन्नाद्रमुक ने उससे नाता तोड़कर दुबारा किसी भी तरह के संबंध रखने के क यासों को दरकिनार कर दिया है।

वहीं सत्तारुढ़ एआईडीएमके भाजपा को हर मोड़ पर घेरने की जुगत में लगी है। उधर कांग्रेस भी जनाधार का प्रयास करेगी हालांकि वह इंडिया गठबंधन के लिए वोटरों को सहजेने में लगी है।

मैं भाजपा के साथ नियमित संपर्क में : पन्नीरसेल्वम

चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए, पन्नीरसेल्वम ने को उन अटकलों पर भी बात की कि अन्नाद्रमुक ने भाजपा पर राज्य अध्यक्ष के अन्नामलाई को बदलने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी पलानीस्वामी को बदलने के लिए कहती है तो क्या एआईएडीएमके स्वीकार करेगी? क्या वे उसकी जगह लेंगे? फिर वे उनसे भाजपा के राज्य नेतृत्व को बदलने के लिए कैसे कह सकते हैं? उनके पास क्या अधिकार हैं? पलानीस्वामी की पार्टी एआईएडीएमके से निष्कासित तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व हाल ही में उनके साथ नियमित संपर्क में है और भाजपा द्वारा औपचारिक घोषणा के बाद ही वह गठबंधन के बारे में अपना रुख बताएंगे।

दुबारा भाजपा से संबंध नहीं जोड़ेंगे : मुनुसामी

अन्नाद्रमुक ने कहा कि वह भाजपा के साथ संबंध तोड़ने के अपने फैसले से पीछे नहीं हटेगी और दोहराया कि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव और अगले विधानसभा चुनाव के लिए भी गठबंधन बनाएगी। पार्टी के उप महासचिव केपी मुनुसामी ने 25 सितंबर को घोषित फैसले पर किसी भी परिस्थिति में पुनर्विचार करने की किसी भी गुंजाइश से इनकार किया, क्योंकि अन्नाद्रमुक को दो करोड़ पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करने की जरूरत है। चेन्नई में पार्टी महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी की अध्यक्षता में एक बैठक के बाद, अन्नाद्रमुक ने घोषणा की कि वह भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से अलग हो रही है। तमिलनाडु की अन्नाद्रमुक द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाले राजग से नाता तोड़ने के एक दिन बाद, भगवा पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले जनता दल (सेक्युलर) के साथ अपने नवगठित गठबंधन पर विश्वास जताया। इससे पहले शुक्रवार को जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी के साथ बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने फैसले की घोषणा की थी। अन्नाद्रमुक-भाजपा विभाजन पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि बीजेपी ने अपने सहयोगियों को एक परिवार की तरह साथ लेकर चला है। जद(एस) जैसी कई पार्टियां भी (एनडीए) में शामिल हो रही हैं। एनडीए 2014 के साथ-साथ 2019 में भी मजबूत था और दोनों बार उसने पूर्ण बहुमत के साथ (केंद्र में) सरकार बनाई। 2024 में भी पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनाएगी।

विश्वगुरु पूर्वोत्तर राज्य में कानून-व्यवस्था बहाल करने में बुरी तरह विफल : उदयनिधि

मणिपुर में गंभीर स्थिति के संबंध में पीएम मोदी पर परोक्ष हमला बोलते हुए उदयनिधि ने कहा कि स्वघोषित विश्वगुरु पूर्वोत्तर राज्य में कानून-व्यवस्था बहाल करने में बुरी तरह विफल रहे हैं। द्रमुक नेता ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि राज्य और केंद्र की भाजपा सरकारें जिम्मेदारी लें और मणिपुर को बचाएं। आपको बता दें कि भारत में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान, नई दिल्ली में पोस्टरों में पीएम मोदी को विश्वगुरु कहा गया, जो विश्व गुरु या दुनिया के शिक्षक के लिए एक संस्कृत शब्द है। उदयनिधि ने सनातन धर्म पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी के पूरे देश में बहस का विषय बनने के कुछ दिनों बाद यह बयान दिया। एक्स पर उदयनिधि ने लिखा कि मणिपुर में जारी हिंसा बेहद चिंताजनक है। सब कुछ नियंत्रित करने का दावा करने वाले स्वयंभू विश्वगुरु मणिपुर में कानून-व्यवस्था बहाल करने में बुरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेट सेवाओं की बहाली ने दो मेती छात्रों की हत्या जैसी भयावह घटनाओं को उजागर किया है, जिसने इस प्रक्रिया में पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हिंसा पर लगाम लगाने की बजाय सरकार ने इंटरनेट सेवाएं फिर से बंद कर दी हैं। अब समय आ गया है कि राज्य और केंद्र की भाजपा सरकारें जिम्मेदारी लें और मणिपुर को बचाएं। जुलाई में कथित तौर पर लापता हुए दो छात्रों के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सोमवार को ताजा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महान वैज्ञानिक स्वामीनाथन का पूरा देश रहेगा ऋणी

भारत को कृषि के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के निधन से देश को बहुत बड़ी क्षति पहुंची है। 60 के दशक में जब भारत खाद्यान्न उत्पादन में बहुत पिछड़ा था देश के कई राज्यों में सूखे की स्थिति हो गई थी। हमको अमेरिका से अन्न आयात करना पड़ता था। इन सब परेशानियों को देखते हुए कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने पूरे देश एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उसी के साथ उन्होंने स्वामीनाथन अन्न उत्पादन बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी थी कालांतर में उन्होंने हरित क्रांति की ऐसी मिसाल गढ़ी कि तबसे आज 2023 हो गया है भारत को राशन के मामले पीछे नहीं रहना पड़ता। स्वामीनाथन एक महान कृषि वैज्ञानिक थे जिनकों पूरी दुनिया हमेशा याद रखेगी। गौरतलब हो कि जब 60 के दशक में भारत खाद्यान्न की कमी से जूझ रहा था तो स्वामीनाथन को मेक्सिको में गेहूं की एक नई किस्म के बारे में पता चला था।

इसे कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग ने विकसित किया था। देश में हरित क्रांति के जनक और महान वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का निधन हो गया। वे 98 साल के थे, उनके निधन से दिल्ली के एक गांव के लोग काफी दुखी हैं और उन्हें याद कर रहे हैं। दरअसल, हरित क्रांति की शुरुआत से पहले स्वामीनाथन ने दिल्ली के जोंती गांव कई बार आए थे, उन्होंने यहां के लोगों को बीज लगाने के लिए दिए थे, यहां की पैदावार को देखकर फिर देश भर के किसानों को बीज दिए गए थे, इसी के बाद देश हरित क्रांति का गवाह बना और खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। 1963-1964 के करीब वो गांव में आए थे, वहीं गांव के लोगों ने बताया कि उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए नए बीजों से गेहूं की पैदावार में इजाफा हुआ और इससे गांव की आय में भी बढोतरी हुई। स्वामीनाथन ने उनसे उन्नत बीजों के लिए संपर्क साधा हालांकि नॉर्मन बोरलॉग ने कहा कि मैं तब तक बीज नहीं दूंगा जब तक मैं खुद इस इलाके का दौरा नहीं कर लेता और बीज का उपज पर प्रभाव देख नहीं लेता हूं। बोरलॉग भारत आए और स्वामीनाथन के साथ जोंती गांव में पहुंचे। बोरलॉग उत्तर भारत के कई इलाकों में घूमे और जब वो पूरी तरह से संतुष्ट हो गए तो उन्होंने मेक्सिको से बीज भिजवाए. इसके बाद स्वामीनाथन ने कई प्रयोग किए और उन्नत किस्म के बीच तैयार किए, जिससे देश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना। पूरा देश इस महान वैज्ञानिक का सदा ऋणी रहेगा।

60 के दशक में जब भारत खाद्यान्न उत्पादन में बहुत पिछड़ा था देश के कई राज्यों में सूखे की स्थिति हो गई थी। हमको अमेरिका से अन्न आयात करना पड़ता था। इन सब परेशानियों को देखते हुए कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने पूरे देश एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उसी के साथ उन्होंने स्वामीनाथन अन्न उत्पादन बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी थी कालांतर में उन्होंने हरित क्रांति की ऐसी मिसाल गढ़ी कि तबसे आज 2023 हो गया है भारत को राशन के मामले पीछे नहीं रहना पड़ता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खुदरा महंगाई नियंत्रण की रणनीति बने

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 'बेकाबू वैश्विक महंगाई' पर प्रकाशित ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सहित दुनिया के कई विकसित और विकासशील देशों में बेकाबू महंगाई से अराजक हालात निर्मित हो गए हैं। कई देशों में दुकानों से खाने-पीने की वस्तुओं की चोरियां व लूटपाट जैसे संगठित अपराध बढ़ रहे हैं। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के हालिया सर्वे के मुताबिक करीब 30 फीसदी लोगों का आय से गुजारा मुश्किल हो गया है और वे बढ़ती महंगाई से हताश हो गए हैं। इसी तरह बढ़ती हुई वैश्विक महंगाई से संबंधित कई रिपोर्टें सितंबर, 2023 में प्रकाशित हुई हैं।

निश्चित रूप से हमारे देश में भी महंगाई बढ़ी हुई है, लेकिन विभिन्न कई देशों की तुलना में भारत में महंगाई बहुत कुछ नियंत्रित है। फिर भी इस समय देश में खुदरा महंगाई को लेकर चिंताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं और खुदरा महंगाई लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। देश में अधिकांश खाद्यान्नों की कीमतें पिछले आठ माह में उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। अगस्त, 2023 में अनाज की खुदरा कीमतों में पिछले साल अगस्त की तुलना में 11.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। खासतौर से सितंबर, 2023 में ही गेहूं के दाम में चार प्रतिशत तक का जो इजाफा हुआ है, उससे अन्य खाद्यान्नों के दामों में भी वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि देश में खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बीच इस समय सऊदी अरब और रूस द्वारा कच्चे तेल उत्पादन में कटौती के निर्णय से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़कर करीब 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से खुदरा महंगाई की चुनौती और कठिन हो गई है। जहां दुनिया के बाजारों में गेहूं, दाल और चावल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, वहीं चीनी की कीमतें तो 12 साल की रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। ऐसी बढ़ती हुई वैश्विक कीमतों का भारत पर भी असर पड़ रहा है। चूंकि देश में त्योहारी सीजन सामने आ रहा है, ऐसे में सरकार के लिए खुदरा महंगाई कम करना बड़ा मुद्दा बन गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने विगत 29 अगस्त को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपये घटाकर बड़ी राहत दी है।

हाल ही में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एक कार्यक्रम में कहा कि जुलाई, 2023 में जो मुद्रास्फीति सप्लाई चेन के झटकों के कारण ऊंचे

स्तर पर पहुंच गई थी, उसे कम करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुसार जून, 2023 में जो खुदरा महंगाई दर 4.87 फीसदी तथा माह जुलाई में 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, वह अगस्त, 2023 में कुछ घटकर 6.8 फीसदी के स्तर पर आ गई है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण खुदरा महंगाई दर केंद्र सरकार के 6 प्रतिशत की तय ऊपरी सीमा से अधिक है। इस समय खाद्य कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कई कारण उभरकर दिखाई दे रहे हैं। काला सागर अनाज समझौता खत्म करने के रूस के फैसले और गेहूं व उपजाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में बारिश नहीं होने के कारण अनाज के वैश्विक दाम बढ़ गए हैं। सीमित आपूर्ति के कारण देश में भी खाद्यान्नें की कीमतें बढ़ी हैं। सरकार के गोदामों में भी लगभग सभी खाद्यान्नों के स्टॉक में कमी आई है। बाजार में नकदी ज्यादा रहने से भी महंगाई बढ़ी है। मौसम विज्ञानियों ने इस बार अलनीनो के हावी रहने से भारत का 30 सितंबर तक का मानसून सीजन सामान्य से कम यानी 94 फीसदी से कम बारिश के साथ समाप्त होने की बात कही है। 27 सितंबर को भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि देश के 31 फीसदी हिस्सों में सूखे के हालात हैं, इससे सूखा प्रभावित क्षेत्र में खाद्यान्न उत्पादन में कमी आएगी। पिछले माह 24 अगस्त को आयोजित आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की द्विमासिक समीक्षा बैठक में बढ़ी हुई खुदरा महंगाई के कारण ब्याज दर को न बदलते हुए 6.5 प्रतिशत रखने का फैसला किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के निर्यात पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। पिछले साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद कम उत्पादन के कारण गेहूं के निर्यात पर जो पाबंदी लगाई थी, वह अब तक जारी है।

सरकार ने बासमती चावल के निर्यात के लिए 1200 डॉलर प्रति टन को न्यूनतम मूल्य तय किया है। प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया है। केंद्र ने 25 अगस्त से उबले चावल के निर्यात पर भी 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। गेहूं और चावल की बढ़ती कीमतों को काबू करने की कोशिश में सरकार जुटी हुई है। इसलिए सरकार ओपन मार्केट सेल स्कीम के जरिए रियायती दर पर गेहूं और चावल दोनों बेच रही है।

विकास के आंकड़ों को आईना दिखाती विसंगति

रिपोर्ट के मुताबिक, 2004 से 2017 के मध्य प्रतिवर्ष लगभग 30 लाख नौकरियां सृजित हुईं। 2017 से 2019 के बीच यह आंकड़ा प्रतिवर्ष 50 लाख नौकरियों तक जा पहुंचा किंतु 2019 के पश्चात नियमित वेतन पाने वाले रोजगारों में कमी आई। निःसंदेह कोविड-19 इसमें मुख्य कारण रहा, जिसके चलते 2023 में वैश्विक स्तर पर लगभग लाखों कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने हेतु बाध्य होना पड़ा। भारत भी कोविड-दुष्प्रभाव से अछूता न रह पाया।

दीपिका अरोड़ा

बेरोजगारी देश के समग्र विकास को बाधित करने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक है। स्वतंत्रता प्राप्ति के वर्षों बाद भी भारतवर्ष के लिए यह एक गंभीर मुद्दा बनी हुई है। 'श्रम बल सर्वेक्षण' (पीएलएफएस), 2021-2022 आंकड़ों का हवाला देते हुए अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी द्वारा 20 सितंबर को 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया, 2023' नाम से जारी की गई रिपोर्ट बताती है, भले ही कोविड-19 के बाद से भारत में बेरोजगारी दर में गिरावट आई, बावजूद इसके वर्तमान में 15 फीसदी से अधिक स्नातक नौकरी से वंचित हैं। देश में 25 वर्ष से कम आयुवर्ग वाले 42 फीसदी स्नातक बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च शिक्षित समूह के भीतर व्याप्त बेरोजगारी दर में बड़ा अंतर है। स्नातकों को उनकी प्रतिभा-कौशल अनुरूप नौकरियां मिलने पर भी प्रश्नचिन्ह अंकित है।

सांख्यिकी गणनानुसार, विकास व रोजगार में सीधा संबंध है। साधारणत: माना जाता है कि देश का विकास होने पर रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं किंतु मौजूदा स्थिति कुछ और ही तस्वीर पेश करती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2004 से 2017 के मध्य प्रतिवर्ष लगभग 30 लाख नौकरियां सृजित हुईं। 2017 से 2019 के बीच यह आंकड़ा प्रतिवर्ष 50 लाख नौकरियों तक जा पहुंचा किंतु 2019 के पश्चात नियमित वेतन पाने वाले रोजगारों में कमी आई। नि:संदेह कोविड-19 इसमें मुख्य कारण रहा, जिसके चलते 2023 में वैश्विक स्तर पर लगभग लाखों कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने हेतु बाध्य होना पड़ा। भारत भी कोविड-दुष्प्रभाव से अछूता न रह पाया। इसके चलते 2020-2021 के मध्य यहां नियमित आय वाली 22 लाख नौकरियां कम हुईं किंतु असंगठित क्षेत्र की 52 लाख नौकरियों की ओर किसी का ध्यान तक न गया, जो कि कोविड के चलते लोगों को गंवानी पड़ीं। रिपोर्ट यह खुलासा भी करती है कि नियमित वेतन वाली मात्र छह फीसदी नौकरियां ही कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा अथवा दुर्घटना लाभ बीमा जैसी सुविधाएं मुहैया करवाती हैं। सर्वाधिक चिंताजनक पहलू यह है कि आशानुरूप नौकरियां न मिलने पर युवा स्नातक वैकल्पिक रूप में बेरोजगार रहना अधिक पसंद करते हैं।

इससे पूर्व रोजगार-डेटा तैयार करने वाली निजी संस्था, 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' द्वारा जारी रिपोर्ट में भी जून, 2023 के दौरान बेरोजगारी दर 8.45 प्रतिशत पर जा पहुंचने का तथ्य सामने आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 7.68 फीसदी रहा। हरियाणा, राजस्थान, बिहार, झारखंड तथा जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी दर सबसे अधिक रही, जबकि दिल्ली भारत का सर्वाधिक बेरोजगार केंद्रशासित प्रदेश पाया गया। संरचनात्मक, घर्षणात्मक, मौसमी तथा चक्रीय श्रेणियों के अंतर्गत भारत में बेरोजगारी के विभिन्न रूप देखने को मिलते हैं। बढ़ती जनसंख्या, घटते संसाधन अवसरों के संदर्भ में प्रतिकूलता लाते हैं।

विनिर्माण क्षेत्र में कम निवेश एवं अपर्याप्त ढांचागत विकास माध्यमिक क्षेत्र में नौकरी के अवसर सीमित कर देता है। श्रम प्रधान उद्योगों में निजी निवेश में गिरावट का सामना करना भी बेरोजगारी बढ़ने का कारण बनता है। खराब उत्पादकता तथा कृषि कर्मियों के लिए वैकल्पिक रोजगार की कमी के चलते कृषि क्षेत्र में भी परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण बन जाती हैं। कानूनी कठिनाइयां, अपर्याप्त सरकारी समर्थन, छोटी कंपनियों के साथ कमजोर बाजार, वित्तीय तथा बुनियादी ढांचा, लागत तथा अनुपालन की अधिकता के कारण उन कार्यों को लाभहीन बना देते हैं। शैक्षणिक व्यवस्था में रोजगार सृजक तकनीकी कौशल का अभाव भी बेरोजगारी का कारण है। यद्यपि नई शिक्षा नीति के तहत रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित होने की संभावनाएं प्रबल हुई हैं तथापि इस विषय में संभावित परिणाम आने अभी बाकी हैं।

बेरोजगारी स्वयंमेव समस्या न होकर अनेक सामाजिक समस्याओं की जननी भी है। खाली दिमाग शैतान का घर माना गया है, जो युवाओं को नशों तथा अपराधीकरण की ओर ले जाता है। साथ ही बेरोजगारी देश की युवा प्रतिभा के विदेश पलायन का सबब भी बन रही है। विषय गंभीर हो तो गहराई से समझकर, इसके तात्कालिक समाधान निकालने अनिवार्य हो जाते हैं। सरकारें ऐसे सार्वजनिक रोजगार कार्यक्रम बना सकती हैं जो नौकरी के स्थायित्व हेतु न्यूनतम वेतन पर पूर्णकालिक रोजगार उत्पन्न करें अथवा कार्य के बदले अनाज कार्यक्रम के माध्यम से बेरोजगारों को अस्थायी श्रम प्रदान करें। उत्पादकता, मांग व आपूर्ति के समुचित संतुलन द्वारा बाजार स्थिर बनाए रखने से चक्रीय बेरोजगारी घटेगी। विषम परिस्थितियों में विस्तारवादी मौद्रिक नीति के माध्यम से सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर मौसमी तथा चक्रीय बेरोजगारी का मुकाबला किया जा सकता है। शिक्षा प्रणाली में उद्यमिता प्रशिक्षण के समन्वय से भी स्थिति में सुधार होगा। सरकार को रोजगार अवसरों की उपलब्धता बारे भी गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। विकास दर एवं समुचित रोजगार अवसरों में अपेक्षित तालमेल न होने से जीडीपी बढ़ाने वाली लक्षित विकास नीतियां भी संशय के घेरे में आ जाती हैं।

वेट लॉस में मददगार

यह एक बेहतरीन वेट लॉस फूड है। इसमें फाइबर होता है, जो पेट को देर तक भरा रखता है। बैलेंस्ड डाइट में राजमा शामिल करने से डायजेशन भी सुधर जाता है, जिसकी वजह से शरीर तेजी से फैट बर्न करने लगता है। इन सभी वजहों से राजमा खाकर वजन कम कर सकते हैं।

राजमा

प्रोटीन, फाइबर, कार्ब्स और कई सारे विटामिन और मिनरल मिलते हैं।

के दाने-दाने में भरी है शुगर की दवा

राजमा एक टेस्टी फूड है, जिसे देसी से लेकर विदेशी खाने में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, कार्ब्स और कई सारे विटामिन और मिनरल मिलते हैं। यह कई सारी बीमारियों से बचाने में मदद करता है। राजमा चावल सबसे टेस्टी फूड में से एक है। हर किसी को ये खाना बेहद पसंद आता है। लेकिन कहीं न कहीं लोगों को ये लगता है कि राजमा उनको मोटा बनाता है या ये उतना हेल्दी नहीं है। मगर आपको जानकर हैरानी होगी कि राजमा बहुत हेल्दी फूड है। इसके हर दाने में डायबिटीज जैसी बीमारी का इलाज छिपा हुआ है। मेगा इलेक्ट्रॉनिक डेज- लैपटॉप, स्मार्टवॉच, हेडफोन्स, और और भी बहुत कुछ पर उपयोग्कर्ताओं को पाएं तकरीबन 65 प्रतिशत तक की छूट। राजमा को कई तरह से खाया जा सकता है। आप इसे उबालकर सलाद भी बना सकते हैं या फिर सब्जी बनाकर सेवन किया जाता है। इसमें ऐसे ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को मजबूत और जानदार बनाने में मदद करते हैं।

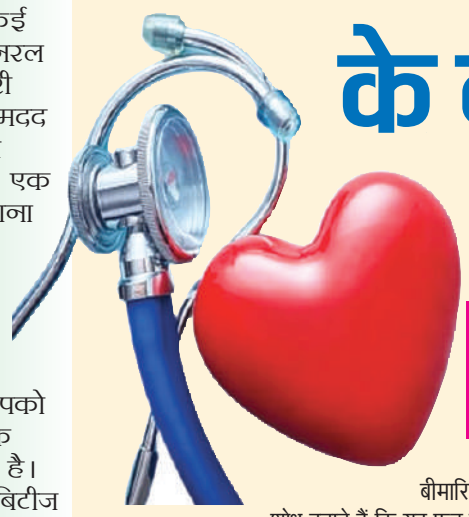

दिल की बीमारी रहेंगी दूर

राजमा खाने से कई सारी दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। कुछ शोध बताते हैं कि यह फूड नुकसानदायक एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को घटाता है। साथ में इससे फायदेमंद एचडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है। इसमें पोटैशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखती है।

बॉडी बिल्डिंग में करेगा मदद

अगर आप बॉडी बिल्डिंग करते हैं या करना चाहते हैं तो राजमा जरूर खाएं। क्योंकि मसल्स को बढ़ाने के लिए प्रोटीन की जरूरत होती है। राजमा एक हाई प्रोटीन फूड है, जिसे डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। यह वर्कआउट के लिए जरूरी एनर्जी देने का काम भी करता है।

हड्डियां रहेंगी हमेशा कड़क

ऑस्टियोपोरोसिस और ऑस्टियोमलेशिया हड्डियों की भयंकर बीमारी हैं। एक की वजह से बोन डेंसिटी कम होने लगती है और दूसरी बीमारी में हड्डियां मुलायम होकर मुड़ने लगती हैं। मगर राजमा के अंदर इनसे बचाने वाला कैल्शियम और मैग्नीशियम मिलता है। इसका फोलेट जोड़ों को भी हेल्दी रखता है।

डायबिटीज की दवा बन सकता है राजमा

डायबिटिक पेशेंट राजमा खा सकते हैं। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन ने राजमा को ब्लड शुगर मेंटेन रखने वाला बताया है। इसमें फाइबर, प्रोटीन, मैग्नीशियम और पोटैशियम होता है। जो नसों में शुगर को कंट्रोल रखने के लिए जरूरी होते हैं।

हंसना मना है

बेटा- पिता जी, आप बहुत किस्मत वाले हैं? पिता जी- वो कैसे बेटा? बेटा- क्योंकि मैं फेल हो गया हूं, आपको मेरे लिए नई किताबें नहीं खरीदनी पड़ेंगी।

एक बार टिल्लू डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर - कौन सा ग्रूप है आपका? संता- जी नादान परिंदे। डॉक्टर - ब्लड ग्रूप पूछ रहा हूं, व्हाटसएप के कीड़े!

संता जब भी कपड़े धोता, तब ही बारिश हो जाती। एक दिन धूप निकली तो वो खुश हुआ और दुकान पे सर्फ लेने गया। वो जैसे ही दुकान पर गया बादल जोर-जोर से गरजने लगे। संता फटाफट आसमान की तरफ मुंह करके बोला... क्या? किधर? मैं तो बिस्कुट लेने आया था।

पति बाल्कनी में खड़ा-खड़ा मस्ती से गा रहा था। पंछी बनूं उड़ता फिरुं मस्त गगन में.. आज मैं आज़ाद हूं दुनिया के चमन में..रसोई में से बीवी की आवाज आई, घर में ही उड़ो, सामने वाली मायके गई है...

सरदार रोज अपने किचन में जाता और शुगर का डिब्बा खोलता और बंद कर देता, एक दिन पत्नी ने पूछा- आखिर तुम रोज-रोज चीनी का डिब्बा क्यों चेक करते हो? सरदार- आरे क्योंकि डॉक्टर ने कहा था, अपनी शुगर रोज चेक करना।

कहानी | भाग्य और पुरुषार्थ

एक बार दो राज्यों के बीच युद्ध की तैयारियां चल रही थीं। दोनों राज्यों के शासक एक प्रसिद्ध संत के भक्त थे। वे अपनी-अपनी विजय का आशीर्वाद मांगने के लिए अलग-अलग समय पर उनके पास पहुंचे। पहले शासक को आशीर्वाद देते हुए संत बोले, 'तुम्हारी विजय निश्चित है।' दूसरे शासक को उन्होंने कहा, 'तुम्हारी विजय संदिग्ध है।' दूसरा शासक संत की यह बात सुनकर चला आया किंतु उसने हार नहीं मानी और अपने सेनापति से कहा, 'हमें मेहनत और पुरुषार्थ पर विश्वास करना चाहिए। इसलिए हमें जोर-शोर से तैयारी करनी होगी। दिन-रात एक कर युद्ध की बारीकियां सीखनी होंगी। अपनी जान तक को झोंकने के लिए तैयार रहना होगा।' इधर पहले शासक की प्रसन्नता का ठिकाना न था। उसने अपनी विजय निश्चित जान अपना सारा ध्यान आमोद-प्रमोद व नृत्य-संगीत में लगा दिया। उसके सैनिक भी रंगरेलियां मनाने में लग गए। निश्चित दिन युद्ध आरंभ हो गया। जिस शासक को विजय का आशीर्वाद था, उसे कोई चिंता ही न थी। उसके सैनिकों ने भी युद्ध का अभ्यास नहीं किया था। दूसरी ओर जिस शासक की विजय संदिग्ध बताई गई थी, उसने व उसके सैनिकों ने दिन-रात एक कर युद्ध की अनेक बारीकियां जान ली थीं। उन्होंने युद्ध में इन्हीं बारीकियों का प्रयोग किया और कुछ ही देर बाद पहले शासक की सेना को परास्त कर दिया। अपनी हार पर पहला शासक बौखला गया और संत के पास जाकर बोला, 'महाराज, आपकी वाणी में कोई दम नहीं है। आप गलत भविष्यवाणी करते हैं।' उसकी बात सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, 'पुत्र, इतना बौखलाने की आवश्यकता नहीं है। तुम्हारी विजय निश्चित थी किंतु उसके लिए मेहनत और पुरुषार्थ भी तो जरूरी था। भाग्य भी हमेशा कर्मरत और पुरुषार्थी मनुष्यों का साथ देता है और उसने दिया भी है तभी तो वह शासक जीत गया जिसकी पराजय निश्चित थी।' संत की बात सुनकर पराजित शासक लज्जित हो गया और संत से क्षमा मांगकर वापस चला आया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ

शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है।

सिंह

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला

पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

धनु

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

मकर

राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ

राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

मीन

प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

एनिमल का टीजर देख ईशा देओल ने की बॉबी देओल की जमकर तारीफ

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। जब से फिल्म की घोषणा हुई है तभी से फैंस इससे जुड़े हर अपडेट के लिए बेकरार रहते हैं। फैंस की इस उत्सुकता को देखते हुए मेकर्स ने प्रशंसकों को एक बड़ा तोहफा दिया है। इस फिल्म का टीजर कल जारी कर दिया गया है।

फिल्म के टीजर में रणबीर कपूर से लेकर बॉबी देओल तक का खूंखार लुक लोगों को हैरान कर रहा है। लोगों को फिल्म का टीजर खूब पसंद आया है। टीजर के आखिरी में मूवी में नेगेटिव किरदार निभा रहे बॉबी देओल नजर आए हैं। उनका लुक देखने के बाद बहन ईशा देओल ने उनकी जमकर तारीफ की है।

आपको बता दें कि फिल्म एनिमल के टीजर में बॉबी देओल की हल्की सी ही झलक दिखाई गई है जिसे देखने के बाद हर कोई उनसे इंप्रेस हो गया है। अब फैंस को इस फिल्म के रिलीज होने का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार है। फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी और बॉबी देओल अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

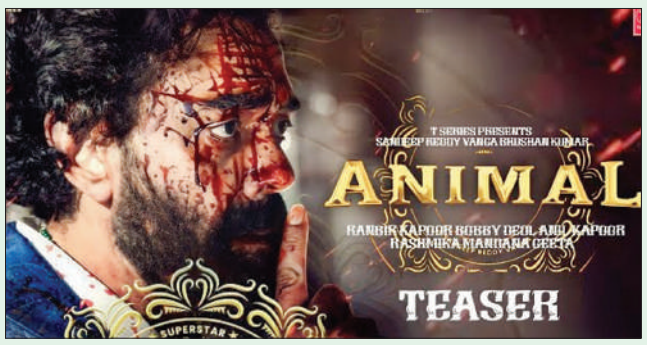

बॉलीवुड | मसाला

वहीं, ईशा देओल ने एनिमल का टीजर अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इस टीजर को शेयर करते हुए ईशा ने लिखा है- आखिरी शॉट का इंतजार कीजिए... एपिक... बॉबी देओल। वहीं भाई बॉबी देओल ने बहन ईशा देओल का पोस्ट अपनी स्टोरी पर रीपोस्ट किया है। आपको बता दें कि ईशा देओल अपने भाइयों को सोशल मीडिया पर पूरी तरह से सपोर्ट करती रहती हैं। वह उनकी फिल्मों को लेकर पोस्ट भी शेयर करती रहती हैं। बता दें कि, बॉबी देओल एनिमल में नेगेटिव किरदार निभा रहे हैं। उनका लुक देखकर फैंस उनके दीवाने हो रहे हैं। फिल्म के टीजर में आखिरी में बॉबी देओल बिना शर्ट के नजर आ रहे हैं। उनका ये खूंखार लुक लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

अगले साल फिल्म बैटल फॉर बिटोरा पर काम शुरू करेंगी सोनम कपूर

सोनम कपूर बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में काम किया है। अब जल्द ही दर्शकों को एक और बेहतरीन फिल्म देने वाली हैं। दरअसल, रांझणा, नीरजा, प्रेम रतन धन पायो और अन्य फिल्मों से उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने वाली अभिनेत्री सोनम कपूर एक अच्छी स्क्रिप्ट पर काम करने वाली हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वह 2024 में अपनी अगली फीचर फिल्म बैटल फॉर बिटोरा पर काम शुरू करेंगी अभिनेत्री ने कहा, आखिरकार मैं अगले साल बैटल फॉर बिटोरा करने जा रही हूं। यह फिल्म अनुजा चौहान के इसी नाम के उपन्यास का रूपांतरण है। 2010 में प्रकाशित यह किताब एक एनीमेशन विशेषज्ञ की कहानी है, जो बिटोरा में एक पूर्व शाही परिवार के खिलाफ चुनाव लड़ता है।

सोनम ने आगे कहा, यह एक प्रिय किरदार है, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत सारी लड़कियों ने किताब पढ़ी होगी। मुझे लगता है कि बहुत सारी लड़कियां, शायद हमारी पीढ़ी की किताब के बारे में जानती हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि युवा पीढ़ी इस किरदार को उतना जानती है, इसलिए हमें इसका फायदा होगा। फिल्म के बारे में अधिक जानकारी देते हुए अभिनेत्री ने कहा, स्क्रिप्ट तैयार हो गई है। हम एक अभिनेता की तलाश कर रहे हैं और निर्देशक भी अभी तक तय नहीं हुआ है, केवल निर्माता और मुख्य अभिनेत्री का चयन हुआ है। यह फिल्म अनिल कपूर फिल्म्स कंपनी के बैनर तले बनेगी। कथित तौर पर सोनम की बहन निर्माता रिया कपूर ने 2010 में इसी नाम की किताब के अधिकार खरीदे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान को शुरू में कहानी में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया था।

बॉलीवुड | मन की बात

सहायक किरदार अदा करने का मुझे कोई अफसोस नहीं : जिमी शेरगिल

जिमी शेरगिल बॉलीवुड के चर्चित अभिनेताओं में शुमार हैं। 1996 में फिल्म माचिस से डेब्यू करने के बाद अभिनेता कई शानदार फिल्मों में नजर आए। फिल्म मोहब्बते में वह गुरुकुल के छात्र बने नजर आए। इसके अलावा मेरे यार की शादी है, मुन्नाभाई एमबीबीएस, ए वेडनसडे!, तनु वेड्स मनु, स्पेशल 26 जैसी कई फिल्मों में वह अपने अभिनय का कमाल दिखा चुके हैं। जिमी पंजाबी इंडस्ट्री में भी सक्रिय हैं। अधिकांश फिल्मों में जिमी सपोर्टिंग रोल में नजर आए हैं। मगर, उन्हें इसका कोई मलाल नहीं है। हाल ही में खुद उन्होंने यह बात कही। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान जिमी शेरगिल ने अपने करियर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि जब चीजें प्लानिंग के हिसाब से नहीं चलतीं, तब कैसे धैर्य रखा जाता है। जिमी शेरगिल का कहना है कि वक्त के साथ चलना सबसे बेहतर होता है। सही वक्त पर सही चीजें हो जाती हैं। एक्टर ने कहा, किसी को भी धैर्य रखना पड़ता है। बेहतर की कोशिशों के साथ जो कुछ भी मिले वह करते रहना चाहिए। जिमी शेरगिल का कहना है, कई बार लोग निराश हो जाते हैं। मैंने वैसा कभी नहीं किया। मैंने सिर्फ एक बात दिमाग में रखी कि चलते रहना है। प्रवाह के साथ बढ़ते रहना है, जो जब आना है आएगा। अभिनेता का कहना है कि उन्होंने कई दिलचस्प काम किए हैं, लेकिन कुछ ऐसे काम भी किए हैं, जो बेहद सामान्य किस्म के रहे। लेकिन, उन्हें इसका अफसोस नहीं है। जिमी ने कहा, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो आपको अहसास होता है कि आपने कुछ ऐसे काम भी किए, जो काफी सामान्य किस्म के थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि मुझे काम करना पसंद है। मैं घर पर नहीं बैठ सकता। लेकिन, जब आप पीछे मुड़कर देखने पर यह पाते हैं कि आपने दो-तीन बेहद दिलचस्प काम भी किए हैं, तो आपको कोई मलाल नहीं रह जाता है। क्योंकि, मैंने कुछ नया काम भी किया और काफी कुछ सीखा। वर्कफ्रंट की बात करें तो जिमी शेरगिल इस साल फिल्म ऑपरेशन मेफेयर में नजर आए थे। इसके अलावा वह गैंगस्टर फिल्म आजम में भी दिखे।

इस गांव में गणेश जी की स्थापना से डरते हैं लोग विघ्नहर्ता की मूर्ति लगाते ही शुरू हो जाती है अनहोनी!

हर वर्ष भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। बता दें कि पूरे देश में गणेश उत्सव 10 दिन तक मनाया जाता है। इस दौरान लोग अपने घरों में गणेश जी की मूर्ति स्थापित करते हैं। कई जगह पांडाल लगते हैं और वहां बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि एक गांव ऐसा भी है, जहां गणपति की मूर्ति स्थापित नहीं की जाती। गांव वालों का कहना है कि यहां भगवान गणेश जी की मूर्ति स्थापित करने पर अनहोनी का सिलसिला शुरू हो जाता है। यह गांव मध्यप्रदेश में है। इस गांव के लोगों की करीब एक सदी पुरानी परंपरा है कि ये गणेश पूजन के लिए गांव में प्रतिमा स्थापित नहीं करते। यह गांव मुलताई से 80 किमी दूर बसे गांव तरोड़ा बुजुर्ग है। यहां के लोगों का मानना है कि गांव में गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने से मौत का सिलसिला शुरू हो जाता है। तरोड़ा बुजुर्ग गांव में लगभग 250 घरों की बस्ती है। यहां 2200 लोग रहते हैं। इस गांव में गणेश उत्सव मनाने पर पूरी तरह प्रतिबंध है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गांव के सरपंच दयाल पंवार का कहना है कि पुरानी मान्यता के चलते गांव में गणेश प्रतिमा न स्थापित करने की परंपरा सालों से चली आ रही देख रहे हैं। उनका कहना है कि उनके बुजुर्गों से यह बात पता चली थी कि गणेश प्रतिमा की स्थापना करने पर आपदा आ जाती है। जानवरों की मौत होने लगती है। लोग बीमार होने लगते हैं और गांव में मौतों का सिलसिला शुरू हो जाता है, इसलिए वह भी इसी परंपरा को निभाते आ रहे हैं। गांव में गणेश प्रतिमा की स्थापना नहीं करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भगवान गणेश की पूजा सभी करते हैं, लेकिन केवल गांव में गणेश उत्सव नहीं मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि गांव में केवल मूर्ति नहीं बिठाने की परंपरा है, जिसको पूरा गांव निभाता आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गणेश जी रिद्धि-सिद्धि के दाता हैं और प्रथम पूज्य देवता हैं, लेकिन गांव की परंपरा के चलते उनकी स्थापना नहीं की जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती के निचले भाग में पंचायत भवन के पास लगभग 30 साल पहले बाहर से एक परिवार आकर रहने लगा था। इस परिवार ने घर में एक गणेश प्रतिमा की स्थापना की थी। गणेश उत्सव के पहले दिन जब गणेश प्रतिमा लाई तो उनके घर में एक बुजुर्ग का स्वास्थ्य खराब हो गया और दूसरे दिन ही उसकी मौत हो गई थी। वहीं, उनके पड़ोसी का स्वास्थ्य भी खराब हो गया था। जिसके चलते तीसरे दिन ही प्रतिमा का विसर्जन कर दिया गया था। ग्रामीणों ने बताया कि वह परिवार अब गांव में नहीं रहता, उस समय भी ग्रामीणों ने उस परिवार को गणेश प्रतिमा की स्थापना नहीं करने की समझाइश दी थी, लेकिन उन्होंने यह बात नहीं मानी थी।

अजब-गजब | यहां महिलाएं ही चलाती हैं पूरा गांव

इस गांव में मर्दों की एंट्री पर है बैन

आज भी हमारे समाज में कई जगहों पर महिलाओं की स्थिति बहुत खराब है। महिलाओं को प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। इस समाज में मर्दों को जो स्थान मिला, जो स्वतंत्रता मिली, जो बल मिला, वो औरतों को नहीं मिल पाया। समाज में महिला-पुरुष साथ में मिलकर रहते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि एक गांव ऐसा भी है जहां मर्दों की एंट्री पर बैन है। यहां महिलाओं ने मिलकर अपना ही एक गांव बसा लिया जहां सब कुछ है।

रॉयटर्स वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार केन्या में गांव है जिसका नाम उमोजा है। यह गांव दुनिया के किसी भी अन्य आम गांव की तरह ही है। लेकिन इस गांव में मर्दों की एंट्री पर बैन लगा हुआ है। गांव को औरतें चलाती हैं, इसकी देखरेख करती हैं। करीब 30 साल पहले इस गांव की स्थापना हुई थी। यहां रहने वाली महिलाएं शरणार्थी हैं। ये सारी महिलाएं संबुरू जनजाति का छोटा हिस्सा हैं जो मसाई समुदाय का भाग माना जाता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार संबुरू महिलाओं को पति की जागीर माना जाता है। उनके पास बहुत कम अधिकार होते हैं। उनके पास ना ही जमीन और ना ही जानवर के अधिकार का हक होता है। यहां महिलाओं की शादी बड़ी उम्र के पुरुषों के साथ बाल विवाह कर दिया जाता है। इतना ही नहीं यहां महिलाएं घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न का भी शिकार होती हैं। कुछ रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि 1990 के दशक में ब्रिटिश सैनिकों ने उस इलाके में इन महिलाओं का रेप किया। जिसके बाद उनके पतियों ने उन्हें अपनाने से मना कर दिया। इंसाइड ओवर वेबसाइट के अनुसार उस वक्त संबुरू महिलाओं ने करीब 1400 रेप के मामले दर्ज करवाए थे।

रिपोर्ट के अनुसार,रेबेका लोलोसॉली नाम की एक महिला ने भी इसी प्रताड़ना को झेला। जब किसी ने भी उसकी बात नहीं सुनी तो उसने करीब 15 औरतों के साथ मिलकर उमोजा नाम एक गांव की स्थापना की। उमोजा का अर्थ होता है एकता। इस गांव में महिलाओं के बीच एकता थी, और इस वजह से यहां मर्दों की एंट्री पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया। फिलहाल इस गांव में करीब 40 परिवार रहते हैं, जिनमें सिर्फ औरतें और बच्चे हैं। औरतें पारंपरिक बीड की मालाएं बेचकर पैसे कमाती हैं। गांव के पास रहने वाले मर्द उन्हें तंग करने के लिए अक्सर उनके मवेशियों को चुरा ले जाते हैं। महिलाएं ही इस गांव का प्रशासन चला रही हैं, पैसे कमाती हैं और अपने परिवार का पेट पाल रही हैं।

युवा वोटरों को अपने पाले में करेंगे : कमलनाथ

» बेरोजगारी बड़ा मुद्दा, भाजपा और शिवराज से युवा खफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने आगामी आने वाले विधान सभा चुनाव के लिए एफवी यानी फर्स्ट वोटर प्लान बना लिया है। कांग्रेस इसी के सहारे एमपी में खेल करने का प्लान बना रही है। इस के तहत पार्टी अब युवाओं पर फोकस करने लगी है। हाल ही में पीएम मोदी 25 सितंबर को मध्यप्रदेश पहुंचे थे। पीएम ने यहां अपने संबोधन में पहली बार वोट करने वाले युवाओं का जिक्र किया था। इसके दूसरे ही दिन मध्यप्रदेश कांग्रेस ने फर्स्ट वोट फ़ॉर कांग्रेस अभियान शुरू कर दिया।

इस अभियान के जरिए पार्टी उन वोटर्स पर ज्यादा फोकस कर रही है, जो 2023 के चुनाव में पहली बार मतदान करने जा रहे हैं। ये अभियान कितना जरूरी है, भाजपा भले इसे नहीं समझ पाई, लेकिन कांग्रेस इसे भुनाने जुट गई है। राज्य में 2003 से भाजपा की सरकार है। जबकि 2005 से शिवराज चौहान मुख्यमंत्री हैं। 2018 में कमलनाथ जरूर सीएम बने लेकिन डेढ़ साल बाद हुए उलटफेर के बाद फिर शिवराज लौट आए। आज प्रदेश में जो युवा 18 वर्ष के हैं, वे 2023 के चुनाव में पहली बार वोट करेंगे, उन्होंने पूरे समय बतौर सीएम शिवराज सिंह चौहान को ही देखा है। शिवराज ने अपने शासनकाल में लाखों की संख्या में सरकारी भर्तियां करवाई हों, लेकिन इस चुनाव के एन पहले वे युवाओं को आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। हाल ही में पटवारी भर्ती परीक्षा में करीब 12 लाख युवा बैठे थे। भर्ती घोटालों के आरोप में सरकार घिरी है। 9000 पटवारी नियुक्ति के लिए सरकार के विरोध में खड़े हैं। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग भी कई सालों से चयनित युवाओं को नियुक्ति नहीं दे पाया है। इसलिए भाजपा और शिवराज से युवा खफा दिख रहे हैं।

18 लाख 86 हजार करेंगे पहली बार वोटिंग

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में पहली बार वोट करने वाले मतदाताओं की संख्या 18 लाख 86 हजार है। 4 अक्टूबर को आने वाली फाइनल मतदाता सूची में यह आंकड़ा 19 लाख पार जा सकता है। मध्यप्रदेश में कुल 230 विधानसभा सीटें हैं। इन सीटों में औसत रूप से 8200 मतदाता हैं, जो पहली बार मतदान करेंगे। कांग्रेस का फर्स्ट वोट फ़ॉर कांग्रेस अभियान इनके लिए ही लॉन्च किया गया है। साल 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में 85 विधानसभा सीटें ऐसी थीं, जिसमें जीत मार्जिन सिर्फ 8 से 9 हजार से भी कम था। 8 सीटें ऐसी हैं, जहां पर 1517 से 511 मतों से ही हार जीत तय हुई पिछले चुनाव में 35 से अधिक ऐसी सीटें थीं, जहां जीत का अंतर 8 हजार से नीचे रहा। इसी कारण को कांग्रेस समझ गई है। इसलिए पार्टी ने युवा मतदाता पर फोकस करना शुरू कर दिया है।

लिपस्टिक और बॉब कट वाली महिलाओं को मिलेगा महिला आरक्षण का लाभ : अब्दुल बारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि लिपस्टिक और बॉब-कट हेयर स्टाइल वाली महिलाएं महिला आरक्षण विधेयक के नाम पर आगे आएंगी, जिसे संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित किया गया था।

सिद्दीकी का यह बयान तब आया जब वह बिहार के मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर लिपस्टिक और बॉब कट हेयरस्टाइल वाली आगे आएंगी। इसके बजाय सरकार को पिछड़े समुदायों की महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना चाहिए। राजद नेता ने अपने समर्थकों को आगामी लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक टेलीविजन और सोशल मीडिया से दूर रहने की भी सलाह दी।

कई सालों तक हकीकत नहीं बन पाएगा महिला आरक्षण कानून : चिदंबरम

नई दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदम्बरम ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विधेयक भले ही कानून बन गया है लेकिन यह कई सालों तक हकीकत नहीं बन पायेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने वाले इस विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है। 'एक्स' पर अपने पोस्ट में चिदम्बरम ने दावा किया कि यह विधेयक भले ही कानून बन गया है लेकिन यह सालों तक हकीकत नहीं बनेगा। उन्होंने कहा, "उस कानून का क्या उपयोग जो कई सालों तक लागू नहीं किया जाएगा। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले तो निश्चित ही नहीं।" उन्होंने कहा, "यह कानून पानी की कटोरी में चंद्रमा की छाया है।

भाजपा के लोग भ्रम फैलाने का काम कर रहे : संजय झा

» दरभंगा एम्स निर्माण पर हो रही है सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। दरभंगा एम्स निर्माण को लेकर बिहार में सियासत जारी है। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने जदयू कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा शोभन-एकमी बाईपास के निकट निःशुल्क आवंटित भूमि पर एम्स निर्माण के संबंध में केंद्र से सकारात्मक उत्तर मिलते ही उसमें मिट्टी भराई का काम शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ लोग यह कह कर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं कि केंद्र सरकार शोभन में आवंटित जमीन पर एम्स निर्माण के लिए तैयार है। ऐसे लोगों को धरना-प्रदर्शन की राजनीति करने की बजाय दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से इस आशय का पत्र ले आना चाहिए या बिहार सरकार को भिजवाना चाहिए। संजय कुमार झा ने कहा कि इंजीनियर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा में एम्स निर्माण के लिए शोभन-एकमी बाईपास के

निकट चिह्नित भूमि के एक-एक पहलू का खुद स्थल पर जाकर मुआयना करने और गहन समीक्षा के बाद ही उसकी स्वीकृति दी है। बिहार सरकार मुफ्त जमीन देने के साथ-साथ उसमें मिट्टी भराई, समतलीकरण तथा चहारदीवारी निर्माण के लिए 309 करोड़ से अधिक रुपये कैबिनेट से मंजूर कर कार्य का टेंडर जारी कर चुकी है। दिल्ली से आई केंद्र की टीम ने आवंटित जमीन का मुआयना करने के बाद वहां पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि जमीन एम्स के लिए उपयुक्त है। लेकिन, बाद में पता नहीं क्या हुआ कि केंद्र सरकार ने दरभंगा में आवंटित भूमि को अनुपयुक्त बताते हुए वहां एम्स का निर्माण कराने से मुकर गई।

जम्मू कश्मीर में भाजपा का चुनाव कराने का साहस नहीं : उमर अब्दुल्ला

जनता बीजेपी को सबक सिखाने के मूड में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि भाजपा जम्मू-कश्मीर में कोई चुनाव नहीं कराना चाहती क्योंकि वह जानती है कि लोग उन्हें लोगों से करारी हार मिलनी है। उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। वे (भाजपा) चुनाव कराने के मूड में नहीं हैं क्योंकि वे जानते हैं कि लोग उनके साथ नहीं हैं। कश्मीर को छोड़िए, जम्मू में भी भाजपा को लोगों से समर्थन नहीं मिल पाएगा। इसलिए उनमें चुनाव कराने का साहस नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा सरकार स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव कराने के पक्ष में भी नहीं दिखती है, जिसे सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मुद्दा बनाया है। उन्होंने कहा, विधानसभा तो दूर की बात है, शायद वे स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव कराने के इच्छुक नहीं हैं, जिसके बारे में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बहुत बात की थी। हमारा मानना है कि एकमात्र चुनाव संसद का होगा। उन्हें इसे टालना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा वे कोई अन्य चुनाव कराने के मूड में नहीं दिख रहे हैं क्योंकि वे जानते है कि लोगों का मूड उन्हें (भाजपा को) मतदान में सबक सिखाने का है। अगर आप उनसे (सरकार) पूछें तो वे आपको बताएंगे कि जब हमने इसकी घोषणा ही नहीं की है तो चुनाव कैसे टाले जा सकते हैं। एक सवाल के जवाब में उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और कुछ नौकरशाह हैं जो नहीं चाहते कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो।

भारत-कनाडा तनाव दुर्भाग्यपूर्ण

इस दौरान भारत-कनाडा तनाव पर भी उमर अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी। उमर अब्दुल्ला ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। दोनों देशों के बीच अच्छे रिश्ते हैं...रिश्तों में तनाव अच्छा नहीं है। कनाडा ने जो भारत पर आरोप लगाए हैं। उन पर उन्हें सबूत देने चाहिए। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी यही कहा है। भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि अगर उनके पास छोटे से छोटा भी सबूत है तो हमें दिखाओ। फिलहाल भारत के साथ कोई सबूत साझा नहीं किया गया है। अगर ऐसा किया जाता है तो भारत को कार्रवाई करनी होगी, तो की जाएगी। लेकिन सबूत भारत के साथ साझा किए जाने चाहिए।

तीन अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों की बैठक बुलाई

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के लिए 3 अक्टूबर को जम्मू में सभी विपक्षी नेताओं की एक बैठक बुलाई है। पूर्व विधायक और सीपीआईएम नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने बताया कि 3 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में विपक्षी दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई गई है और इसकी अध्यक्षता डॉ. फारूक अब्दुल्ला करेंगे।

अखिल भारतीय सिविल सेवा लान टेनिस में रेनू यादव को कांस्य पदक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

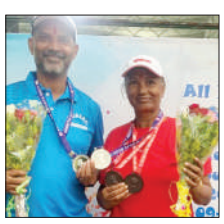

चंडीगढ़। अखिल भारतीय सिविल सेवा लॉन टेनिस चैंपियनशिप में जीएमएसएसएस सारंगरपुर की रेनू यादव व्याख्याता, शारीरिक शिक्षा ने चंडीगढ़। (यूटी) का प्रतिनिधित्व करते हुए अखिल भारतीय सिविल सेवा लॉन टेनिस चैंपियनशिप में महिला वेटरन एकल में कमिश्नर इनकम टैक्स वंदना सागर को 5-3 से हराकर कांस्य पदक जीता।

यह चैंपियनशिप 21-29 सितंबर 2023 तक उदयपुर के महाराणा प्रताप खेल गांव में आयोजित की गई है। इसके साथ ही पीजीजीसीजी-42, महाविद्यालय, चंडीगढ़ के डॉ. रामनिवास यादव, सह प्राध्यापक शारीरिक शिक्षा विभाग, मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंच गये। यह प्रतियोगिता उदयपुर में अखिल भारतीय सिविल सेवा लॉन टेनिस चैंपियनशिप में संपन्न हुई जोकि केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक और खेल बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली के तत्वावधान में राजस्थान के काशिक विभागा भागोजित की गई थी।

टेनिस में बोपन्ना और भोसले ने जीता सोना

» एशियन गेम्स: भारत की झोली में कुल 35 पदक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हांगझोऊ। मिश्रित युगल टेनिस में रोहन बोपन्ना और ऋतुजा भोसले ने स्वर्ण पदक जीता है। शुरुआती सेट 6-2 से हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। उन्होंने सुपर टाई-ब्रेक 10-4 से जीता। भारत के लिए 2002 एशियाई खेलों के बाद से इस खेल में स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला जारी है।

रोहन बोपन्ना अब दो बार के एशियाई खेल चैंपियन हैं! उन्होंने 2018 में दिविज शरण के साथ पुरुष युगल जीता और अब ऋतुजा भोसले के साथ मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता है। एशियाई खेलों का आज सातवां दिन है। छह दिन में भारत की झोली में कुल 33 पदक आए। प्रतियोगिता के पहले दिन भारत को पांच, दूसरे दिन छह, तीसरे दिन तीन, चौथे दिन आठ, पांचवें दिन तीन और छठे दिन आठ पदक मिले। सातवें दिन भारत को एथलेटिक्स और शूटिंग में पदक मिल सकते हैं। मीराबाई चानू स्नैच में सिर्फ 83 किलोग्राम वजन ही उठा पाई। दूसरे और तीसरे प्रयास में उन्होंने 86 किलोग्राम वजन उठाने का फैसला किया, लेकिन उनके दोनों प्रयास विफल रहे। वह फिलहाल काफी पीछे हैं, लेकिन क्लीन एंड जर्क में भारी वजन उठाकर वह पदक की रेस में आ सकती हैं। हालांकि, ऐसा मुश्किल लग रहा है, क्योंकि चानू तीसरे प्रयास के बाद थोड़ी अनफिट भी नजर आईं। उन्हें चलने में थोड़ी परेशानी हो रही थी। स्नैच में वह संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर हैं। उनके लिए अब पदक जीतना बेहद मुश्किल होगा।

प्राथमिक स्वास्थ्य पर निर्भर लोगों के साथ अन्याय: वरुण

» अपनी ही सरकार पर फिर बरसे भाजपा सांसद

» कहा, बिना किसी गहन जांच के अस्पताल का लाइसेंस किया रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। बीजेपी सांसद वरुण गांधी एक बार फिर अपनी ही सरकार पर हमलावर हैं। इस बार मामला अमेठी में संजय गंधी अस्पताल का लाइसेंस रद्द किए जाने का है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के संसदीय क्षेत्र में संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबत किए जाने पर बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा है कि बिना किसी गहन जांच के अस्पताल का लाइसेंस तुरंत सस्पेंड कर दिया गया।

यह उन सभी लोगों के साथ अन्याय है जो सिर्फ प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ही नहीं बल्कि अपनी रोजी-रोटी के लिए भी इस संस्थान पर निर्भर हैं।

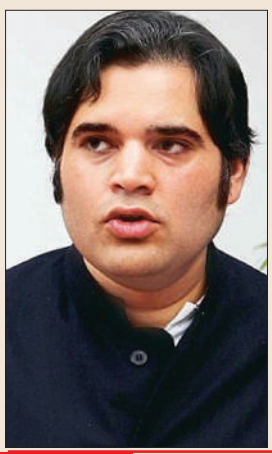

सवाल कर्मचारियों का ही नहीं मरीजों का भी है

एक अन्य ट्वीट में बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने कहा है कि सवाल सिर्फ संजय गांधी अस्पताल के 450 कर्मचारियों का और उनके परिवार का ही नहीं है बल्कि उस आम जनता का भी है जो हर दिन अस्पताल में इलाज कराने आती है. उनकी पीड़ा के साथ न्याय 'मानवता की दृष्टि ही कर सकती है, 'व्यवस्था का अहंकार नहीं, कहीं 'नाम के प्रति नाराजगी लाखों का 'काम न बिगाड़ दे।

लाइसेंस बहाली को लेकर आंदोलन तेज

बता दें कि अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस सस्पेंशन को लेकर आंदोलन भी तेज हो गया है। प्रदर्शन कर रहे लोग सरकार से लाइसेंस फिर से बहाल करने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस तो पहले से ही आंदोलनकारियों का हौसला बढ़ा रही है अब बीजेपी नेता वरुण गांधी भी उनके सपोर्ट में उतर आए हैं। लाइसेंस रद्द करने को लकर वह एक बार फिर से अपनी ही सरकार पर हमलावर हैं।

लाइसेंस निलंबन पर जवाबदेही जरूरी

वरुण गांधी ने कहा कि अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन पर जवाबदेही जरूरी है। यह भी जरूरी है कि निष्पक्षता के सिद्धांतों को बरकरार रखा जाए और मामले की जांच की जाए, उन्होंने यूपी सरकार को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि सरकार इस मामले पर फिर से विचार करे, उन्होंने उम्मीद जताई कि इलाके के लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं में कोई बाधा नहीं आएगी। उन्होंने सरकार से पारदर्शी तरीके से मामले की जांच की मांग अपनी चिट्ठी में की है, पीलीभीत सांसद वरुण गांधी ने यह बात सोशल मीडिया साइट एक्स पर कही है और अपने पोस्ट में यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को भी टैग किया है।

सरकार सब कर लेगी, इस सोच से बाहर आना जरूरी: पीएम मोदी

» बोले- समाज की शक्ति ही सबसे बड़ी शक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में संकल्प सप्ताह कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ही सब कर लेगी, इस सोच से हमें बाहर आना है। समाज की शक्ति ही सबसे बड़ी शक्ति होती है। पीएम मोदी ने कहा कि जिन-जिन ब्लॉक्स या जिलों में समाज को जोड़ने की ताकत है, मेरा अनुभव है कि वहां परिणाम जल्दी मिलते हैं।

यही कारण है कि आज स्वच्छता के अभियान ने अपनी जगह बना ली है और एक वातावरण बन गया है कि गंदगी नहीं करनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉकों के लिए मैं राज्य सरकारों और भारत सरकार के अधिकारियों से आग्रह करूंगा कि वे इस बात पर भी ध्यान दें कि जो ब्लॉक के भीतर सफल हैं, उनका भविष्य भी उज्ज्वल होना चाहिए, ताकि उनमें कुछ करने का जुनून हो। वे परिणाम लाने वाले लोग हैं। उनकी टीमों को आगे बढ़ाना चाहिए।

देश को विकसित बनाने के लिए गांव का विकसित होना जरूरी

पीएम मोदी ने कहा कि हम 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भव्यता दिल्ली, मुंबई या चेन्नई में दिखे और हमारे गांव पीछे छूट जाएं। हम इस मॉडल को नहीं अपनाते। हम 140 करोड़ लोगों के भाग्य की जिम्मेदारी लेना चाहते हैं और उनके जीवन में बदलाव लाना चाहते हैं।

देर रात दौड़ी तबादता एक्सप्रेस, कई जिलों के डीएम और सीडीओ बदले

» सत्येन्द्र कुमार होंगे बाराबंकी के जिलाधिकारी

» फतेहपुर, सुल्तानपुर, महाराजगंज, झांसी व बरेली के डीएम भी बदले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने ताबड़तोड़ तबादले करते हुए कई जिलों के जिलाधिकारी और सीडीओ के तबादले किए गए हैं। फतेहपुर, सुल्तानपुर, महाराजगंज, बाराबंकी, झांसी व बरेली के जिलाधिकारी बदले गए हैं।

2013 बैच के आईएएस सत्येन्द्र कुमार को महाराजगंज से हटाकर बाराबंकी का जिलाधिकारी बनाया गया है। इनके अलावा 2015 बैच के आईएएस अनुनय झा, जो कि नगर आयुक्त मथुरा

थे, उन्हें महराजगंज का डीएम बनाया गया है। बलिया के सीडीओ आईएएस प्रवीण वर्मा को बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण का सीईओ बनाया गया है। जबकि 2011 बैच के आईएएस रवींद्र कुमार-II को झांसी के डीएम पद से हटाकर बरेली के जिलाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। 2013 बैच के अविनाश कुमार को बाराबंकी डीएम के पद से हटाकर झांसी का जिलाधिकारी बनाया गया है। आईएएस सी इंदुमती को फतेहपुर और आईएएस कृतिका ज्योत्सना को सुल्तानपुर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।

संवैधानिक संस्थाओं पर अमर्यादित टिप्पणी सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी: धनखड़

» उपराष्ट्रपति ने सीएम अशोक गहलोत पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शक्रवार को बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और फैक्ल्टी मेंबर्स के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग संवैधानिक संस्थाओं पर अमर्यादित टिप्पणी करते हैं, ऐसा करना अच्छी बात नहीं है। उन्होंने कहा, यह चिंतन, मंथन और चिंता का विषय है कि कुछ लोग संवैधानिक संस्थाओं पर अमर्यादित टिप्पणी करते हैं। राजनीतिक चश्मा पहन कर। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, यह आचरण हमारी सांस्कृतिक धरोहर के विपरीत है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, जो व्यक्ति जितने बड़े पद पर है, उसका आचरण भी उतना ही मर्यादित होना चाहिए। राजनीतिक फायदा उठाने के लिए कोई भी टिप्पणी करना अच्छी बात नहीं है। धनखड़ ने कहा, जब संवैधानिक संस्थाओं की

बात आती है तो मैं सभी से जिम्मेदार होने का आह्वान करता हूं। हमें केवल राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए संवैधानिक पदाधिकारियों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। बता दें, हाल ही में अशोक गहलोत ने उप राष्ट्रपति के राजस्थान दौरे को लेकर सवाल उठाया था। सीएम गहलोत ने कहा था, इस साल प्रधानमंत्री नौ बार यहां आए, हमने उनका स्वागत किया। उप राष्ट्रपति भी अप-डाउन कर रहे हैं। चाहे गवर्नर हो या उपराष्ट्रपति हम सबका सम्मान करते हैं, लेकिन वह (उप राष्ट्रपति) बार-बार यहां आ रहे हैं, इसका कोई मतलब नहीं है।

गहलोत अपना मानसिक संतुलन खो बैठे: शेखावत

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सीएम गहलोत कहते हैं कि प्रधानमंत्री अब तक सात बार राजस्थान आ चुके। उन्हें ध्यान में होना चाहिए कि जयपुर की परिवर्तन संकल्प यात्रा के एक राजनीतिक कार्यक्रम को छोड़कर शेष कार्यक्रम सरकारी थे। वे भारत सरकार की तरफ से राजस्थान को सौगात देने ही आए थे। इसमें भी गहलोत को घबराहट और खिसियाहट दोनों होती है। यह उनकी इस मनः स्थिति को दर्शाता है कि उन्होंने हार स्वीकार कर ली है। शेखावत ने कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर बैठे पदों के लिए जिस तरह की टिप्पणी वे कर रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि खिसियाहट से अपना मानसिक संतुलन खो बैठे। वे कभी राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और कभी न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हैं, मुझ पर तो रोज ही करते हैं।

उज्जैन: बच्ची से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन में हाल ही में 15 साल की बच्ची के साथ रेप की घटना सामने आई थी, आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में हैं, बच्ची से दरिंदगी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली मध्य प्रदेश पुलिस का कहना है कि इस मामले को सुलझाने के लिए उनको बहुत ही असाधारण कोशिशें करनी पड़ीं, उन्होंने सैकड़ों लोगों के साथ पूछताछ की और 700 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों को खंगाला, तब जाकर उनको मुख्य आरोपी, ऑटो चालक भरत सोनी का पता चला।

उसने कथित तौर पर 15 साल की बच्ची को उज्जैन रेलवे स्टेशन से उठाकर उसके साथ दरिंदगी की और उसे अर्धनग्न हालत में खून से लथपथ छोड़कर फरार हो गया। एक पुलिस इंस्पेक्टर ने एनडीटीवी को बताया कि रेप केस को सॉल्व करने के लिए 30-35 लोग साइबर जांच में लगे थे। तीन-चार दिन तक उनमें से कोई भी सो नहीं सका था। पुलिस जब अपराध स्थल पर पहुंची तो आरोपी ने वहां से भागने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने पीछाकर उसे पकड़ लिया। मध्य प्रदेश पुलिस ने राकेश मालवीय नाम के एक अन्य ऑटो चालक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

वोट देना है तो दो, चाय पानी नहीं करवाऊंगा: गडकरी

» संसदीय क्षेत्र में न प्रचार करेंगे और न पोस्टर बैनर लगाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक बड़ी बात कही है। एक कार्यक्रम के दौरान नितिन गडकरी ने कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में अपने संसदीय क्षेत्र में ना प्रचार करेंगे और ना पोस्टर बैनर लगाएंगे! गडकरी ने कहा कि मैं ना खाऊंगा और ना खाने दूंगा। नितिन गडकरी महाराष्ट्र के वाशिम में एक सीमेंट कंक्रीट की बनी सड़क का उद्घाटन करने आए थे। इसी दौरान अपने संबोधन में गडकरी ने ये बात कही।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मैंने इस लोकसभा चुनाव में सोच लिया है कि बैनर-पोस्टर नहीं लगाएंगे। चाय पानी भी नहीं करवाएंगे, वोट देना है तो दो-नहीं तो

मत दो। तुमको माल-पानी भी नहीं मिलेगा। लक्ष्मी दर्शन नहीं होंगे। देशी विदेशी भी नहीं मिलेगी। मैं पैसा खाऊँगा भी नहीं और खाने भी नहीं दूंगा लेकिन तुम्हारी सेवा ईमानदारी से करूंगा। यह विश्वास करिए। बता दें कि नितिन गडकरी वर्तमान में महाराष्ट्र की नागपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं। यह सीट आरएसएस का गढ़ मानी जाती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।